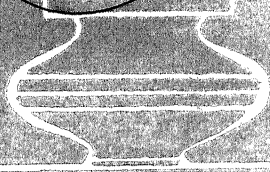


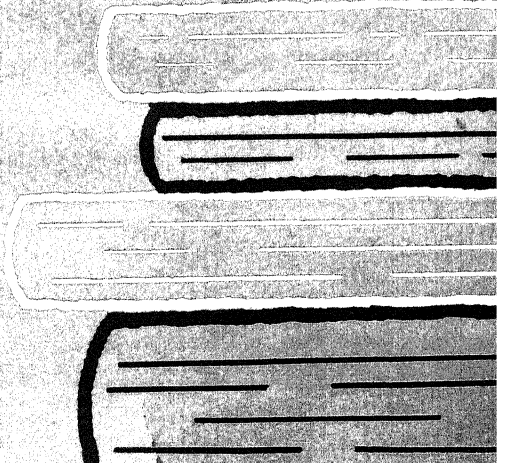
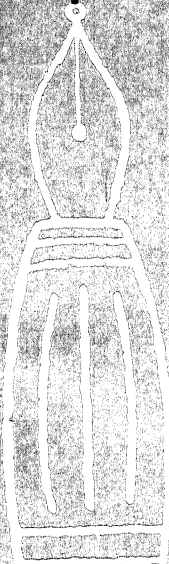
हिंदी



साहित्य

: एक परिवृत

●
श्री



लेखक-परिचय

जन्म १० सितंबर, १९१८ को गया (बिहार) में। शिक्षा माडल स्कूल (गया), पटना सायंस कॉलेज, इलाहाबाद विश्व-विद्यालय, पटना कॉलेज तथा पटना लॉ कॉलेज में। १९४१ में एम० ए० (हिन्दी) में प्रथम श्रेणी में सर्वप्रथम। १९४२ में प्रथम श्रेणी में विशेष योग्यता

‘साहित्यरत्न’। १९५८ में पटना विश्वविद्यालय से डी० लिट्० किया

१९४२ से कई कॉलेजों विश्वविद्यालय में अध्यापक ग्राह्यक्ष। १९६३ में केन्द्रीय निदेशालय (दिल्ली) में उपनिर्देशक तथा १९६५ से भारत सरकार (मंत्रालय) के प्रधान ग्रंथनिर्माता

छात्रजीवन से ही साहित्य की रुचि। तभी से पत्रपत्रिकाओं में सै—इं रचनाएँ प्रकाशित। १९४५ में प्रथम समालोचनात्मक निबंध संग्रह आगरा से छपा। और फिर दर्जनों समीक्षाग्रंथ निकले। डी० लिट्० शोधग्रंथ ‘मात्रिक छंदों का विकास’ बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् से प्रकाशित।

और अब यह प्रकाशन।